श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र वहलना

दिल्ली देहरादून हाईवे पर, दिल्ली से लगभग 120 और मेरठ से लगभग 50 किमी की दूरी पर स्थित श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र वहलना, जन-जन की आस्था का केन्द्र बन गया है। क्षेत्र पर विराजित भगवान पार्श्वनाथ की श्वेत वर्ण की नौ फण वाली अतिशयकारी प्रतिमा के दर्शन करते ही मन प्रफुल्लित हो जाता है तथा प्रभु की छवि को निरन्तर निहारते रहने का मन करता है।

यह क्षेत्र ना केवल जैन समाज का अपितु जैनेतर समाज की भी आस्था का प्रमुख केन्द्र है। हिन्दू, मुसलमान एवं अन्य सभी धर्मानुयायी यहाँ आकर अपनी मनोकामना पूर्ण करते हैं। भगवान की वेदी के नीचे एक गर्भगृह है जहाँ ध्यान करने से मन को शांति मिलती है।

पिछले कुछ वर्षों से क्षेत्र का भारी विकास हुआ है। वर्ष 2007 में परम पूज्य उपाध्याय 108 श्री नयन सागरजी महाराज ने क्षेत्र पर भगवान पार्श्वनाथ की 31 फुट ऊँची खड्गासन प्रतिमा के निर्माण की योजना दी। महाराज श्री का आदेश मिलते ही भक्तों ने अपनी झोलियाँ खोल दीं तथा देखते-ही-देखते मूर्ति निर्माण प्रारम्भ हो गया। विशाल ग्रेनाइट पत्थर बैंगलौर से मंगाकर शिल्पकारों ने क्षेत्र पर ही मूर्ति निर्माण का कार्य प्रारम्भ कर दिया। फरवरी 2011 में भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा द्वारा क्षेत्र पर मनमोहक, अतिशय युक्त 31 फुट उत्तुंग ग्रेनाइट की प्रतिमा विराजमान की गई। प्रतिमा के विराजमान होते ही क्षेत्र का अतिशय और भी बढ़ गया और दर्शनार्थियों की संख्या भी।

क्षेत्र पर विशाल 57 फुट उत्तुंग मानस्तम्भ है जिसकी प्रतिष्ठा राष्ट्रसंत, श्वेतपिच्छाचार्य, परम पूज्य श्री विद्यानन्द जी महाराज के सान्निध्य में सन् 1994 में हुई थी। वार्षिक रथयात्रा हेतु क्षेत्र पर बहुत ही सुन्दर भव्य पाण्डुकशिला है तथा यहाँ दो मुनियों की समाधि भी हुई है। क्षेत्र पर 24 तीर्थंकरों के केवली वृक्षों को रोपण कर तीर्थंकर वाटिका व भगवान पार्श्वनाथ के दीक्षा वन को भी बड़े ही सुन्दर ढंग से विकसित किया गया है।

क्षेत्र पर एक प्राकृतिक चिकित्सालय भी है जहाँ मिट्टी एवं पानी के द्वारा उपचार कराके सैंकड़ो मरीज प्रतिदिन लाभ ले रहे हैं। चिकित्सालय में मरीजों के ठहरने व भोजन की पूर्ण व्यवस्था है। क्षेत्र पर यात्रियों के लिए निःशुल्क भोजन की व्यवस्था व आवास तथा वातानुकूलित कमरों की भी सुन्दर व्यवस्था है।

वार्षिक मेला- क्षेत्र पर वार्षिक मेला प्रतिवर्ष 2 अक्टूबर को होता है जब विभिन्न स्थानों से हजारों की संख्या में श्रद्धालुगण क्षेत्र पर आकर भगवान पार्श्वनाथ के चरणों में नमन करते हैं।

मेले से पहले दिन 1 अक्टूबर को संध्या से रात्रि तक ग्राम वहलना व आस-पास के गांव वाले नर-नारी, बच्चे, पूरा जन समुदाय भगवान पार्श्व प्रभु के दर्शन करने आते हैं और उस एक दिन खील-बताशे, मिठाई, फल जो भी वह चढ़ाना चाहते हैं, बड़ी श्रद्धा-भक्ति से चढ़ाते हैं। क्षेत्र पर अतिशय निरन्तर देखने में आते हैं।

क्षेत्र कमेटी क्षेत्र के विकास के लिए निरन्तर कार्य कर रही है तथा भक्तगण निरन्तर दर्शनार्थ आकर आत्मकल्याण में लगे रहते हैं।

सम्पर्क- श्रेयांस कुमार जैन ककरोली वाले, अध्यक्ष फोन- 9319155248, राजकुमार जैन नावला वाले, महामंत्री फोन- 9412213198, रजनीश जैन, कोषाध्यक्ष फोन- 9897259199, क्षेत्र का पता- श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र वहलना, जिला मुजफ्फरनगर (उत्तर प्रदेश) फोन- 0131-3291578

-नवनीत जैन